



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 262]
No. 262]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 24, 1978/ज्येष्ठ 3, 1900
NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 24, 1978/JYAISTHA 3, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वित्त मंत्रालय

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मई, 1978

आय-कर

का० आ० 351 (अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (चतुर्थ संशोधन) नियम, 1978 है।

(2) ये जून, 1978 के प्रथम दिन को प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है),—

(क) नियम 38 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

“38क. अग्रिम कर का विवरण: निर्धारिती जो विवरण धारा 209क की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन आयकर अधिकारी को भेजेगा, वह प्ररूप सं० 28क में होगा;

(ख) नियम 39 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“39. अग्रिम कर का प्राक्कलन.—निर्धारिती, धारा 209क की उपधारा (1) के खंड (ख) या उपधारा (3) या उपधारा (4) या उपधारा (5) के अधीन जो प्राक्कलन अथवा विवरण के बदले में उस धारा की उपधारा (2) के अधीन जो प्राक्कलन, अथवा धारा 212 की उपधारा (1) या उपधारा (2) या उपधारा (3क) के अधीन जो प्राक्कलन, आय-कर अधिकारी को भेजेगा वह प्ररूप सं० 29 में होगा।”

3. मूल नियमों के परिशिष्ट 2 में—

(क) प्ररूप सं० 28 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

प्ररूप सं० 28 क

(नियम 38क देखिए)

31 मार्च, 19—को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 209(क) (1)(क) के अधीन मदेय अग्रिम कर का विवरण।

निर्धारिती का नाम

*प्रास्थिति

(कृपया बताएं कि क्या व्यक्ति, हिन्दु प्रतिभक्त कुटुम्ब, फर्म, स्थानीय प्राधिकारी, कंपनी, या व्यक्तियों की संस्था आदि है)

पता _____
स्थायी लेखा संख्या _____
आय कर सकिल/बाई/जिला _____

कुल आय, जिसके आधार पर धारा 140क के अधीन कर संवत् किया गया है। नियमित निर्धारण किया गया है।

जो उस वर्ष 19—19 के लिए है और जिसमें से उसमें सम्मिलित, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2 के खण्ड (24) के उपखण्ड (ix) में निर्दिष्ट, पूंजी अमलाओं की रकम और आय यदि कोई हो, घटा दी गई है।

कम कीजिए—विन्सी रजिस्ट्रीकृत फर्म से आय का अंश, यदि कोई हो, यदि फर्म का निर्धारण ऊपर निर्दिष्ट वर्ष के पश्चात्पूर्व किसी वर्ष के लिए पूरा किया जा चुका है।

जोड़िए—फर्म के सब से अंत में पूरे किए गए निर्धारण के अनुसार ऐसी रजिस्ट्रीकृत फर्म से आय का अंश, यदि कोई हो।

अग्रिम कर के अध्वधीन आय

अग्रिम कर की संगणना के प्रयोजनों के लिए हिसाब में ली जाने वाली शुद्ध कृषि आय, यदि कोई हो

आयकर

र०

“अग्रिम कर के अध्वधीन आय” पर प्रभार्य सकल आयकर
“अग्रिम कर के अध्वधीन आय” में सम्मिलित राशियां
जिनकी बाबत आय-कर संदेय नहीं है या जिन पर आय-
कर कोई रिबेट अनुमति है —

(1) व्यक्तियों की किसी संस्था या व्यक्तियों के
निकाय या किसी अरजिस्ट्रीकृत फर्म से, जिसके
लाभों पर कर पहले ही दिया जा चुका है,
आय कर अंश

(2) आय-कर मुक्त प्रतिभूतियों पर व्याज

(3) अन्य मदें

कुल रकम, जिस पर आय-कर संदेय नहीं है और ऐसी
किसी रकम पर आनुपातिक कर

घटाइए—वह कर, जो (अधिनियम के अधीन अनुज्ञेय
किन्हीं कटौतियों को अनुज्ञात करने से पूर्व, यथासंगणित)
किसी आय पर धारा 192 से 195 तक के अधीन
कटौती योग्य है और जो “अग्रिम कर के अध्वधीन
आय” की संगणना करने में हिसाब में लिया जा चुका है
आय-कर की शुद्ध रकम

कम कीजिए—प्राक्कलित दोहरे आयकर
से, यदि कोई हो, राहत मद्धे रकम
संवेय कर की शुद्ध रकम

(1) अकों में—र०

(2) शब्दों में—रूपये

स्थान—हस्ताक्षर

तारीख—

टिप्पणः—

1. अग्रिम कर के विवरण पर उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाने चाहिए जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 140 में यथा उपबन्धित आय—विवरणी पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत है।

*2. हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब की दशा में, कृपया यह बताएं कि हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब में कम से कम एक सदस्य ऐसा है जिसकी सुसंगत पूर्व वर्ष की कुल आय उस के मामले में आयकर के लिए अप्रभार्य अधिकतम रकम से अधिक है। यदि यह दावा किया जाए कि हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब में ऐसा कोई सदस्य नहीं है तो कृपया हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब के सभी सदस्यों का इस आदेश का घोषणापत्र सलग कीजिए।

†3. निर्धारिणी द्वारा संवेय अग्रिम कर—

(क) उस अन्तिम पूर्व वर्ष की कुल आय, जिसकी बाबत उस पर नियमित निर्धारण करके कर निर्धारित किया गया है, या

(ख) उस अन्तिम पूर्व वर्ष (जो उपर्युक्त (क) में निर्दिष्ट पूर्व वर्ष से बाद का वर्ष हो) की कुल आय, जिसके आधार पर धारा 140 क के अधीन उसके द्वारा कर संदेय किया गया है,

इसमें से जो भी कुल आय अधिक हो, के आधार पर अधिकतम किया जाएगा।

4. रजिस्ट्रीकृत फर्म की दशा में, फर्म को, वार्षिक वित्त अधिनियम की अनुसूची के भाग 3 के अनुसार अपने द्वारा संवेय अग्रिम कर, यदि कोई हो, का एक विवरण प्रस्तुत करना होगा। प्रत्येक भागीदार को भी, प्रत्येक द्वारा संवेय अग्रिम कर का विवरण प्रस्तुत करना होगा जिसमें रजिस्ट्रीकृत फर्म से आय का अंश भी सम्मिलित करना होगा।

‡5. यह मद, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2 के खंड (31) के उपखंड (5) में निर्दिष्ट व्यष्टियों, हिन्दू अविभक्त कुटुम्बों, अरजिस्ट्रीकृत फर्मों, व्यष्टियों की अन्य संस्थाओं या व्यष्टियों के निकायों, चाहे वे निर्गमित हो या नहीं, तथा उक्त खंड (31) के उपखंड (7) में निर्दिष्ट कृत्रिम न्यायिक व्यष्टियों द्वारा भरी जानी है।

[कृपया सुसंगत वित्त अधिनियम की धारा 2 की उपधारा (6) देखें]

†6. इस प्ररूप में, “शुद्ध कृषि आय” का वही अर्थ होगा जो उसे सुसंगत वित्त अधिनियम में दिया गया है।

(ख) प्ररूप सं० 29 में,—

(1) शीर्षक के स्थान पर, निम्नलिखित शीर्षक रखा जाएगा, अर्थात्—

“31 मार्च, 19—को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए, आय-कर अधिनियम, 1981 की धारा 209क (1)(ख) या (2) या (3) या (4) या (5) या धारा 212(1) या (2) या (3क) के अधीन संवेय अग्रिम कर का प्राक्कलन (जिसके अन्तर्गत विवरण के अन्तर्गत प्राक्कलन भी है)”

(2) “पता—” मद के नीचे, निम्नलिखित सब अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात्—

“स्थायी लेखा सं० —”

आयकर सकिल/बाई/जिला—

वह धारा जिसके अधीन प्राक्कलन दिया गया है—”

(3) मद 10 में उप मद (1) में “धारा 212” शब्द और अंक के स्थान पर, “धारा 209क धारा 212” शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे।

[सं० 2405/(फा० सं० 142(3)/78-टी पीएल]

एस० एन० शेट्टी, सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Central Board of Direct Taxes)

Notification

New Delhi, the 24th May, 1978

INCOME-TAX

S.O. 351(E)—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Fourth Amendment) rules, 1978.

(2) They shall come into force on the 1st day of June, 1978.

2. In the Income-tax Rules, 1962 (hereinafter referred to as the principal rules),—

(a) After rule 38, the following rule shall be inserted, namely:—

“38A. Statement of advance tax.—The statement which an assessee has to send to the Income-tax Officer under clause (a) of sub-section (1) of section 209A shall be in Form No. 28A.”;

(b) for rule 39, the following rule shall be substituted, namely :—

“39. Estimate of advance tax.—The estimate which an assessee has to send to the Income-tax Officer under clause (b) of sub-section (1) or sub-section (3) or sub-section (4) or sub-section (5) of section 209A or the estimate in lieu of the statement under sub-section (2) of that section or the estimate under sub-section (1) or sub-section (2) or sub-section (3A) of section 212 shall be in Form No. 29.”

3. In Appendix II to the principal rules.—

(a) after Form No. 28, the following Form shall be inserted, namely :—

FORM NO. 28A

[See rule 38A]

Statement of the advance tax payable under section 209A(1) (a) of the Income-tax Act, 1961, for the financial year ending on the 31st March, 19.....

Name of the assessee

*Status

[Please state whether individual, Hindu undivided family, firm, local authority, company or an association of persons, etc.]

Address

Permanent Account Number

Income-tax Circle/Ward/District

@ Total income on the basis of which tax under section 140A has been paid

Rs.

regular assessment has been made being that for the year 19.....19.....as reduced by the amount of capital gains and income referred to in sub-clause (ix) of clause (24) of section 2 of the Income-tax Act, 1961, included therein, if any

Less : Share of income, if any, from a registered firm if the assessment of the firm has been completed for a year later than that referred to above

Add : Share of income, if any, from such registered firm according to the latest completed assessment of the firm

INCOME SUBJECT TO ADVANCE TAX

†Net agricultural income, if any, to be taken into account for purposes of computing advance tax

Gross income-tax chargeable on “income subject to advance tax” Income-tax Rs.

Sums included in “income subject to advance tax” in respect of which income-tax is not payable or on which a rebate of income-tax is admissible—

(i) share of income from an association of persons or body of individuals or an unregistered firm on the profits of which tax has already been paid

(ii) interest on income-tax free securities

(iii) other items

Total amount on which tax is not payable and the proportionate tax on such an amount

Deduct : Tax which is deductible under sections 192 to 195 on any income (as computed before allowing any deductions admissible under the Act) and which has been taken into account in computing the “income subject to advance tax”

Net amount of income-tax

Less : Amount on account of estimated double income-tax relief, if any.....

Net amount of tax payable—

(i) in figures Rs.....

(ii) in words Rupees.....

Place.....

Date

Signature

Notes :

1. The statement of advance tax should be signed by a person who is authorised to sign a return of income as provided in section 140 of the Income-tax Act, 1961.

2. *In the case of a Hindu undivided family, please state whether the Hindu undivided family has at least one member whose total income of the relevant previous year exceeds the maximum amount not chargeable to income-tax in his case. If it is claimed that the Hindu undivided family does not have any such member, please attach declaration(s) to this effect from all members of the Hindu undivided family.

3. @The advance tax payable by the assessee is to be computed on the basis of—

(a) the total income of the latest previous year in respect of which he has been assessed by way of regular assessment; or

- (b) the total income of the latest previous year [being a year later than the previous year referred to in (a) above] on the basis of which tax has been paid by him under section 140A.
whichever total income is higher.
4. In the case of a registered firm, the firm has to submit a statement of the advance tax payable, if any, by it in accordance with Part III of the Schedule to the annual Finance Act. The individual partners have also to submit a statement of the advance tax payable by each including therein the share of income from the registered firm.
5. ‡ This item is to be filled in only by individuals, Hindu undivided families, unregistered firms, other associations of persons or bodies of individuals, whether incorporated or not, referred to in sub-clause (v) of clause (31) of section 2 of the Income-tax Act, 1961, and artificial juridical persons referred to in sub-clause (vii) of the said clause (31). [Please see sub-section (6) of section 2 of the relevant Finance Act.]
6. † In this Form, "net agricultural income" shall have the meaning assigned to it in the relevant Finance Act.;
- (b) in Form no. 29,—
- (i) for the heading, the following heading shall be substituted, namely :—
- "Estimate (including an estimate in lieu of statement) of advance tax payable under section 209A (1)(b) or (2) or (3) or (4) or (5) or section 212(1) or (2) or 3(A,) of the Income-tax Act, 1961 for the financial year ending on the 31st March, 19.....";
- (ii) below the item "Address.....", the following items shall be inserted, namely :—
- "Permanent Account Number.....
Income-tax Circle/Ward/District.....
Section under which the estimate is furnished
.....";
- (iii) in item 10, in sub-item (i), for the word and figures "section 212", the words, figures and letter "section 209A/section 212" shall be substituted.

[No. 2305/F.No.142(3)/78.TPL]
S. N. SHENDE, Secy.